सिद्ध क्षेत्र

श्री सिद्धवर कूट

Shri Siddhaverkoot Siddha Kshetra, M.P.

अर्घ

जल चन्दन अक्षत लेय, सुमन महा प्यारी।
चरू दीप धूप फल सोय, अरघ करों भारी॥
द्वय चक्री दस कामकुमार, भवतर मोक्ष गये।
तातैं पूजौं पद सार, मनमें हरष ठये॥

ॐ ह्रीं श्री सिद्धवर कूट
सिद्ध क्षेत्राय अनर्घ्य पद प्राप्तयें
अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।